Kiara
Let's Make Life Happy

Kiara Astrology Research Centre ®

(Prime Report)

ॐ गंग गणपतये नमः

Call: 08674827268

Kiara ID: 50011179 Date: 03/04/2020 Validity : 3 Months Only

नाम: Karandeep Singh	जन्म तिथि: 13/03/1997	जन्म समय: 2:00 PM
जन्म स्थान: Jamshedpur	मांगलिक योग: NO (नहीं)	इष्ट देव: Lord Hanumanji (mangal Dev)

1. योग कारक (अच्छा) / मारक (शत्रु) ग्रह: (ग्रहों की स्थित के अनुसार) :

इन सभी ग्रहों के रत्न धारण करना, पूजा पाठ करना उत्तम होगा, लेकिन इन ग्रहों से सम्बंधित वस्तुयें का दान नहीं किया जाता है।

S.No	योग कारक (अच्छा) ग्रह	शुभ फल देने की क्षमता	मारक (शत्रु) ग्रह	अशुभ फल देने की क्षमता
1.	Chandra	10%	Guru (नीच)	100%
2.	Shukra (अस्त)	Nill	Shani	100%
3.			Budh (नीच)(अस्त)	20%
4.			Mangal (व)	50%
5.			Rahu (व)	40%
6.			Surya	10%
			Ketu (व)	40%

इन सभी ग्रहों को पूजा पाठ एवं दान करके शांत करना है। इनके रत्न वर्जित हैं।

2. राजयोग (अच्छा योग): NA.
शुक्र का ओपल चाँदी में जीवन भर धारण करें!
3. कुण्डली दोष: (अंगारक योग, चाण्डाल योग)
4. शुभ दिन: Monday & Friday.
5. शुभ रंग: सफेद अशुभ: (पीला, काला, नीला)
6. रत्न (Gemstones) धारण कर सकते हैं (Life Time):

Gemstones (रत्न)	Ratti	Hand	Finger	Details
1. ओपल	8+	Right	Middle	चाँदी में शुक्रवार को सुबह 8:15AM पर धारण करें!
2.				
3.				

7. वर्जित रत्न (भूल कर भी धारण ना करें):

पुखराज, टोपाज, नीलम, पन्ना, मूँगा, मार्णिक, गोमेद, लहसुनिया आदि रत्न

Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee), Published Book – Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. **Office Address (Head Office):** Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk, Ranchi– 834003 (JH). Phone: +91-8789981729, 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

नोट : रत्न पहनने का अर्थ यह है की जिस ग्रह का रत्न धारण किया जाता है उस ग्रह की किरणों का शरीर में बढ़ाना। रत्न हमेशा योग कारक और सम ग्रह का पहना जाता है जब वो अच्छे फल देने में सक्षम न हो।

a) चंद्रदेव (मोती), मंगलदेव (मूंगा) और बृहस्पति देव (पीला पुखराज) का रत्न सदा शुक्ल पक्ष में धारण करना चाहिए। तभी यह लाभ प्रद होता है। (समय 8:15 AM)

b) सूर्य देव (माणिक), बुध देव (पन्ना), शुक्र देव (आपल, हीरा, सफ़ेद पुखराज), शनि देव (नीलम) का रत्न किसी भी पक्ष में धारण कर सकते हैं। (समय 8:15 AM)

c) सही गड़ना के मुताबिक **पांच कैरट या एक ग्राम से कम** वजन का रत्न नहीं धारण करना चाहिए।

d) **पुरुषों** को सदैव दाएं हाथ में रत्न पहना है। **स्त्रियों** को सदैव बाएं हाथ में रत्न पहनना चाहिए। अगर किसी जातक को नाग धारण हो जैसे (माणिक, मूंगा), (नीलम, हीरा) तोह लग्न का रत्न उस जातक को पहले सही हाथ में धारण करवाया जाता है। दूसरा रत्न दूसरे हाथ में पहनाया जाता है।

e) मूंगा (मंगल देव) और पन्ना (बुध देव) एक साथ धारण नहीं किया जाता है।

f) पन्ना (बुध देव) और मोती (चंद्र देव) एक साथ धारण नहीं किया जाता है।

g) पन्ना को सदैव चाँदी में ही पहना जाता है, सोने में धारण करने से बुध देव अपने फल नहीं देते हैं।

h) नीलम (शनि देव) और मोती (चंद्र देव) एक साथ धारण नहीं किया जाता है।

i) नीलम (शनि देव) को कभी भी चाँदी में नहीं पहना जाता है, अन्यथा शनि साढ़े साती एक साथ चलने लगती है। नीलम को सोने में या पंचधातु में ही धारण करना चाहिए।

j) नीलम (शनि देव) और माणिक (सूर्य देव) कभी भी एक साथ धारण नहीं किया जाता है अन्यथा सत्यनाश कर देंगे रत्न।

k) माणिक (सूर्य देव) और हीरा (शुक्र देव) कभी भी एक साथ धारण नहीं किया जाता है।

l) हीरा (शुक्र देव) और पुखराज (बृहस्पति देव) कभी भी एक साथ धारण नहीं किया जाता है।

m) गोमेद (राहु) और मूँगा (मंगल) एक साथ धारण नहीं किया जाता है।

n) पुखराज (बृहस्पति देव) और नीलम (शनि देव) एक साथ धारण नहीं किया जाता है।

o) राहु देवता का रत्न गोमेद कभी भी धारण नहीं करना चाहिए।

p) चंद्र का रत्न (मोती) और राहु का रत्न (गोमेद) कभी भी एक साथ धारण नहीं किया जाता है। राहु चंद्र ग्रहण लगा देते हैं।

q) मंगल के रत्न मूंगा के साथ पन्ना / नीलम / हीरा / ओपल नहीं पहना जाता है।

r) बृहस्पति के रत्न "पुखराज" के साथ नीलम / हीरा / ओपल नहीं पहना जाता है।

s) चन्द्रमा के रत्न मोती के साथ नीलम / पन्ना / हीरा / ओपल नहीं पहना जाता है।

8. **रोग भाव का स्वामी: (मित्र/शत्रु)** : गुरु (बृहस्पति देव) : बृहस्पति देव का पाठपूजन व दान & केले के पेड़ को जल देने से रोगों में कमी आएगी तथा Job मिलने का योग बनेगा।

Scanned with CamScanner

11. महादशा/अन्तर्दशा/प्रत्यंतर दशा परिणाम :

राहु की महादशा : 12/01/2020 to 12/01/2038 : खराब दशा (50%)

- फिजूल की भागदौड़, फिजूल की मेहनत होती रहेगी, समाज के लोगो की वजह से मानसिक तनाव बढ़ेगा, Anxiety level increase होगा, भाग्य साथ नही देगा, पिता से दूरियाँ बनी रहेगी, छोटे-मोटे रोग लगे रहेंगे, मन की इच्छा पूर्ण नहीं होगी, धन लाभ नहीं होगा, Job लेने तथा higher education मे समस्या रहेगी।

* हर शनिवार को राहु का दान आगे report मे देखकर अवश्य करे! (upto 4 months.) — Regular
After that, हर अमावस्या को राहु का दान करते रहे!
* राहु का दान सूर्यास्त के बाद 7:15 PM के बाद ही करे!
* राहु मंत्र जाप करे After Sunset. (Atleast 5 mints daily)

राहु/राहु/राहु : upto 08/06/2020 : (राहु का दान करे!)
राहु/राहु/गुरु : 09/06/20 to 17/10/20 : (राहु व गुरु का दान करे)
राहु/राहु/शनि : 18/10/20 to 23/03/21 : (राहु व शनि का दान करे)
राहु/राहु/बुध : 24/03/21 to 09/08/21 : (राहु व बुध का दान करे)
राहु/राहु/केतु : 10/08/21 to 06/10/21 : (राहु व केतु का दान करे)
राहु/राहु/शुक्र : 07/10/21 to 19/03/22 : सामान्य समय (राहु का दान करे)

→ (खराब समय है) → इस समय को दान व पाठपूजन की मदद से अच्छा किया जा सकता है। After 3months. of Remedies

Scanned with CamScanner

11. महादशा/अन्तर्दशा/प्रत्यंतर दशा परिणाम :

* Decision लेने में कमी आती है तथा इन्सान रहेगा, तथा future की चिन्ता काफी करता है
हर situations में easily adjust हो जाता है।

* Health Problems है काफी : like Piles, Anxiety, depression आदि! Negative thoughts काफी आते हैं।
हर काम में अड़चने आती है।

* गुरु का दान करने से :- पिता के साथ relation मधुर होंगे। Higher education में आ रही समस्याएं समाप्त होंगी।

* सूर्य के दान व जल देने से: परिवार में समस्या समाप्त होगी, depression level कम होगा।

* शनि का दान :- शनि का दान व पाठ : पिता, व मनोकामनाएं पूर्ण होने में मदद मिलेगी। Health में सुधार आएगा। Anxiety, depression समाप्त होगा।

* राहु व केतु का दान : राहु का दान करने से फिजूल की मेहनत कम होगी, higher education के रस्ते खुलेंगे, पिता से सम्बन्ध मधुर होंगे।

इन चार दशाओं व दान पर focus करें! चार दशाओं के अनुसार दान करें!

Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee), Published Book – Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. **Office Address (Head Office):** Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk, Ranchi– 834003 (JH). Phone: +91-8789981729. 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

12. कुंडली में स्थित मारक (शत्रु) ग्रह के उपाय & दान :

ग्रह	उपाय & दान
सूर्य देव के उपाय: **(रविवार को करना है)**	सूर्य देव को जल देना, तांबे का सिक्का जल प्रवाह करना, शक्कर चींटियों को डालना, ब्रह्म देव की उपासना करना, माणिक जल प्रवाह करना। **नोट:- पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।** **सूर्य देव के मंत्र का जाप करें।** **(ऊँ सूर्याय नमः)**
चंद्र देव के उपाय: **(सोमवार को करना है)**	दूध दान करना, चावल दान करना, मिश्री दान करना, चीनी दान करना या चींटियों को डालना, श्वेत वस्तु (वस्त्र, फूल) दान करना, मोती दान या जल प्रवाह करना। **नोट:- माता या माता तुल्य स्त्रियों से मधुर संबंध रखना, उनसे आशीर्वाद लेना, उनकी सेवा करने से चंद्र देव प्रसन्न होते हैं।** सोमवार को दूध या जल शिवलिंग पर चढ़ायें और शिव जी पूजा करें। चंद्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊँ सों सोमाय नमः)**
मंगल देव के उपाय: **(मंगलवार को करना है)**	हनुमान जी को सिन्दूर चढ़ाना , हनुमान जी को चोला चढ़ाना, लाल चीज का दान, टमाटर का दान, गाजर का दान, अनार का दान, शक्कर चींटियों को डालना, लाल सूखी मिर्च जल प्रवाह करना, मूँगा जल प्रवाह करना, हनुमान जी को पान के पत्ते चढना। **नोट:- छोटे भाई या छोटे भाई तुल्य व्यक्ति से मधुर संबंध रखना, ख्याल रखने से मंगल देव प्रसन्न होते हैं।** मंगल देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊँ भुं भौमाय नमः अथवा ऊँ अं अंगारकाय नमः)** **(संकटमोचन नाम तिहारो, संकटमोचन नाम तिहारो। कौन सो संकट मोर गरीब को ,जो तुमसे नहिं जात है तारो ॥)**
बुद्ध देव के उपाय: **(बुधवार को करना है)**	हरा चारा गाय को डालना, खीरा दान करना, पुदीना दान करना, पन्ना जल प्रवाह करना, बाज़रा पंछियों को डालना, साबुत मूंगी का दान करना, हरी वस्तु (वस्त्र, चूड़ियाँ इत्यादि), तुलसी का दान और सेवा, किन्नरों को कुछ भी खाने को देना। **नोट:- छोटी कन्या, मौसी, बुआ, बहन, भाभी, ताई, चाची, मामी से मधुर संबंध रखने से बुध देव प्रसन्न होते हैं।** बुद्ध देव के मंत्र का जाप करें **(ऊँ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः ॥ (or) ऊँ गंग गणपतये नमः)**
बृहस्पति देव के उपाय: **(बृहस्पतिवार को करना है)**	शक्कर का दान या चींटियों को डालना, बेसन के लड्डू का दान करना, केले, हल्दी का दान करना, केले क पेड़ को जल देना और सेवा करना, चने की दाल का दान करना, गेंदे का फूल मन्दिर में चढ़ाना, धार्मिक और ज्ञानवर्धक पुस्तके बांटना, सुनेला जल प्रवाह करना, पापीती का दान करना। **नोट:- बुजुर्गो की सेवा करना, गुरूजनो का सम्मान करना, पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।** बृहस्पतिवार को हल्दी की पीली गाँठे जल प्रवाह करें और बृहस्पति देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊँ बृं बृहस्पतये नमः)**
शुक्र देव के उपाय:	चीनी दान करना, चावल दान करना, आटा दान करना, सफ़ेद मिठाई (रसगुल्ला, छेना मुर्की, बर्फी) दान करना, इत्र दान करना, जरकन (ओपल) दान करना, सौंदर्य प्रधान वस्तुओं का दान करना, मिश्री दान करना। **नोट:- पत्नी, प्रेमिका के साथ मधुर संबंध रखना, स्त्रियों का आदर करना।**

Scanned with CamScanner

(शुक्रवार को करना है)	हर शुक्रवार को कच्चे दूध (1/2 cup) से स्नान करें और शुक्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः ॥ (or) ॐ शुं शुक्राय नमः)**
शनि देव के उपाय: **(शनिवार को करना है)**	काले तिल दान करना/ चीटियों को डालना, सरसों के तेल का दाल करना, काली जुरावें दान करना, पीपल के वृक्ष को जल देना, पीपल के वृक्ष के नीचे सरसों का दीपक जलाना, काला वस्त्र का दान करना, लोहे की वस्तुओं का दान करना (चिंता, तवा), नीली जल प्रवाह करना, शनि चालीसा का दान करना, कोयला दान करना/ जल प्रवाह करना, जूता, चप्पल दान करना। **नोट:- निम्न स्तर का कर्मचारी (मजदूर, नौकर, कामवाली, भिखारी) के साथ सही व्यवहार रखने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं।** शनिवार को शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes शनि देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ शं शनैश्चराय नमः)**
राहु देव के उपाय: **(शनिवार को करना है)**	चाय की पत्ती, अगरबत्ती दान करना, सिक्का दान करना, बिजली की तार जल प्रवाह करना, गोमेद जल प्रवाह करना, सतनाजा चीटियों को डालना, काला सफ़ेद कम्बल दान करना, विकलांगो की सहायता करना, कुस्थश्रम में दान करना, नेत्रहीनों की सेवा करना। शनिवार को चाय की पत्ती (100gm), १ अगरबत्ती का पैकेट शनि देव के मंदिर के बाहर गरीबों को दान करें और देते समय राहु मंत्र "ॐ रां राहवे नमः" का जप करें। **नोट:- किसी भी प्रकार से शारीरिक असमर्थ लोगों का ख्याल रखने से राहु देव प्रसन्न होते हैं।** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes राहु देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ रां राहवे नमः)**
केतु देव के उपाय: **(मंगल, बुधवार को करना है)**	काला सफ़ेद कपड़ा दान करना, निम्बू दान करना, अमचूर दान करना, आंवले का अचार दान करना, चाकू दान करना, कुत्ते की सेवा करना, कुत्ते को कपड़ा पहनना। **नोट:- नानका परिवार से मधुर संबंध रखने से केतुदेव प्रसन्न होते हैं.** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes केतु देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊं कें केतवे नमः)**

नोट: यदि आपकी कुंडली शनि, राहु के दान के लिए अनुमति प्रदान करती है तो **अमावश्या** के दिन किसी भी समय (दिन/रात) चाय की पत्ती, अगरबत्ती का दान (राहु के लिए) तथा सरसों का तेल (शनि देव के लिए) का दान अवश्य करें।

नोट: यदि परिवार में कलह - कलेश हो रहा हो और स्थित बिगड़ने वाली हो तो उस वक्त कोई भी परिवार का सदस्य मन ही मन २० मिनट तक नीचे दिए गये मंत्र का जाप अवश्य करें। संकटमोचन हनुमान जी आपकी अवश्य मदद करेंगे और स्थित सामान्य होने लगेगी। (हनुमान जी का पाठ पूजन महिलाएं भी कर सकती हैं। क्यूंकि हनुमान जी ने अपनी छाती चीर कर दिखा दी थी कि उनके हृदय में प्रभु राम और सीता माता दोनों एक साथ रहते हैं।)

मंत्र : संकटमोचन नाम तिहारो, संकटमोचन नाम तिहारो। कौन सो संकट मोर गरीब को, जो तुमसे नहिं जात है टारो ॥

Som.
08/04/2020

Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee), Published Book – Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. **Office Address (Head Office):** Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk. Ranchi– 834003 (JH). Phone: +91-8789981729 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

ऊँ गं गणपतये नम

शुभ 卐 लाभ

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 50011179 Date: 03/04/2020

Karandeep Singh

13 Mar 1997 02:00 PM

Jamshedpur

Kiara Astrology Research Centre ®
Somvir Singh (Celebrity & Family Astrologer)
Shop - 39, First Floor, Shree Jagdish Complex, Near Chandani Chowk, Hatia, Ranchi - 834004
+91-8674827268, +91-8789981729
Website: www.KiaraAstrology.in, Email: KiaraAstrology@gmail.com

Karandeep Singh

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 50011179 Date: 03/04/2020

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	: **13/03/1997**
दिन	: गुरुवार
जन्म समय	: **14:00:00 ांटे**
इष्ट	: 20:09:02 घटी
स्थान	: **Jamshedpur**
राज्य	: Jharkhand
देश	: India

अक्षांश	: 22:47:00 उत्तर
रेखांश	: 86:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: 00:14:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 14:14:48 घंटे
वेलान्तर	: -00:09:31 घंटे
साम्पातिक काल	: 01:38:51 घंटे
सूर्योदय	: 05:56:23 घंटे
सूर्यास्त	: 17:53:23 घंटे
दिनमान	: 11:57:01 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: वसन्त
सूर्य के अंश	: 28:59:25 कुम्भ
लग्न के अंश	: 07:24:19 कर्क

चैत्रादि संवत / शक	: 2053 / 1918
मास	: फाल्गुन
पक्ष	: शुक्ल
सूर्योदय कालीन तिथि	: 5
तिथि समाप्ति काल	: 17:43:38
जन्म तिथि	: 5
सूर्योदय कालीन नक्षत्र	: भरणी
नक्षत्र समाप्ति काल	: 13:20:53 घंटे
जन्म नक्षत्र	: कृतिका
सूर्योदय कालीन योग	: वैधृति
योग समाप्ति काल	: 20:33:17 घंटे
जन्म योग	: वैधृति
सूर्योदय कालीन करण	: बव
करण समाप्ति काल	: 06:20:44 घंटे
जन्म करण	: बालव
भयात	: 01:37:47
भभोग	: 59:41:05
भोग्य दशा काल	: सूर्य 5 वर्ष 10 मा 0 दि

अवकहड I चक्र	
लग्न–लग्नाधिपति	: कर्क – चन्द्र
राशि–स्वामी	: **मेष – मंगल**
नक्षत्र–चरण	: **कृतिका – 1**
नक्षत्र स्वामी	: सूर्य
योग	: वैधृति
करण	: बालव
गण	: राक्षस
योनि	: मेष
नाड़ी	: अन्त्य
वर्ण	: क्षत्रिय
वश्य	: चतुष्पाद
वर्ग	: गरूड़
युँजा	: पूर्व
हंसक	: अग्नि
जन्म नामाक्षर	: अ–अश्विनी
पाया(राशि–नक्षत्र)	: ताम्र – स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मीन

ात चक्र	
मास	: कार्तिक
तिथि	: 1-6-11
दिन	: रविवार
नक्षत्र	: मघा
योग	: विष्कुम्भ
करण	: बव
प्रहर	: 1
वर्ग	: सर्प
लग्न	: मेष
सूर्य	: कर्क
चन्द्र	: मेष
मंगल	: सिंह
बुध	: वृष
गुरु	: कन्या
शुक्र	: तुला
शनि	: मिथुन
राहु	: वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	07:24:19	315:52:03	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	केतु	———
सूर्य			कुंभ	28:59:25	00:59:51	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	शत्रु राशि
चंद्र			मेष	27:02:12	13:36:44	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	सूर्य	सम राशि
मंगल	व		कन्या	04:29:45	00:22:59	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
बुध		अ	मीन	00:36:34	01:57:34	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	नीच राशि
गुरु			मक	17:36:09	00:12:18	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	नीच राशि
शुक्र		अ	कुंभ	23:53:20	01:14:48	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
शनि			मीन	14:14:37	00:07:21	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	सम राशि
राहु			कन्या	04:55:20	00:00:43	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	मूलत्रिकोण
केतु			मीन	04:55:20	00:00:43	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	13:23:38	00:02:43	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	———
नेप			मक	05:28:51	00:01:32	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	———
प्लूटो	व		वृश्चि	11:46:41	00:00:10	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	———
दशम भाव			मेष	02:49:18	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	शुक्र	--

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:05

लग्न–चलित

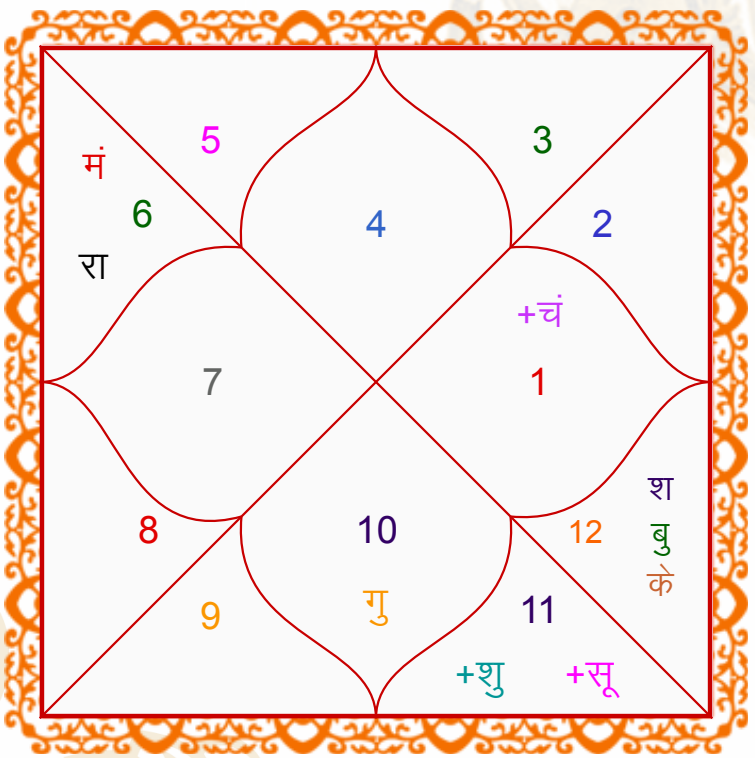

चन्द्र कुंडली

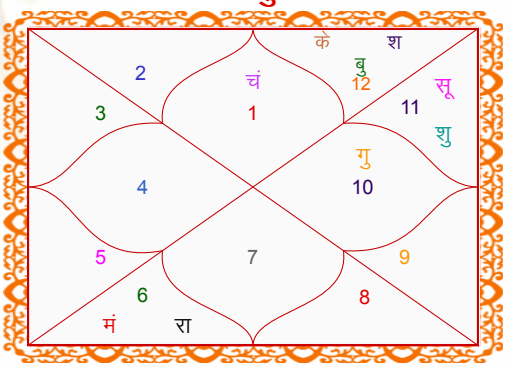

नवमांश कुंडली

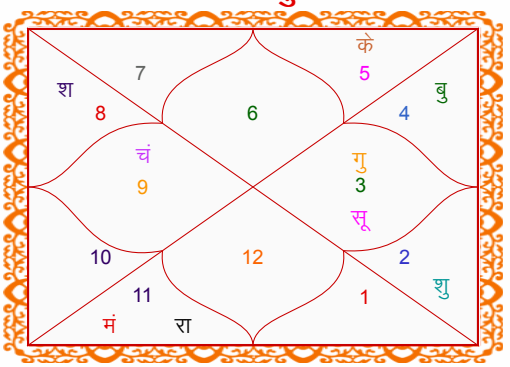

षट्बल तथा भावबल सारिणी

षट्बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	46	58	12	5	4	49	12
सप्तवर्गज बल	86	109	53	113	113	124	69
ओजयुग्मक बल	30	0	15	0	15	15	0
केन्द्र बल	30	60	15	15	60	30	15
द्रेष्काण बल	0	15	15	0	0	15	15
कुल स्थान बल	193	242	110	132	192	233	111
कुल दिग्बल	49	8	9	18	3	13	38
नतोन्नत बल	50	10	10	60	50	50	10
पक्ष बल	41	81	41	41	19	19	41
त्रिभाग बल	0	0	0	0	60	0	60
अब्द बल	0	15	0	0	0	0	0
मास बल	0	0	30	0	0	0	0
वार बल	0	0	0	0	45	0	0
होरा बल	0	0	60	0	0	0	0
अयन बल	52	7	31	33	8	24	26
युद्ध बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल कालबल	143	113	172	134	181	93	137
कुल चेष्टाबल	0	0	58	14	13	2	6
कुल नैसर्गिक बल	60	51	17	26	34	43	9
कुल दृग्बल	-11	-6	-22	-11	-9	-9	-10
कुल षट्बल	433	409	344	312	415	374	290
रूप षट्बल	7.2	6.8	5.7	5.2	6.9	6.2	4.8
न्यूनतम आवश्यकता	5	6	5	7	7	6	5
अनुपात	1.4	1.1	1.1	0.7	1.1	1.1	1.0
संबंधित पद	1	3	2	7	5	4	6

इष्ट फल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
इष्ट फल	35.76	33.50	26.54	8.25	7.51	9.85	8.74
कष्ट फल	21.04	8.99	10.00	50.28	50.98	25.31	50.76

भाव बल

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपति बल	409	433	312	374	344	415	290	290	415	344	374	312
भावदिग्बल	30	20	40	30	40	10	30	10	10	60	50	50
भावदृष्टि बल	47	52	78	80	8	-18	-25	-3	-7	21	43	58
कुल भाव बल	486	505	430	484	392	407	295	297	419	425	467	420
रूप भाव बल	8.1	8.4	7.2	8.1	6.5	6.8	4.9	5.0	7.0	7.1	7.8	7.0
संबंधित पद	2	1	5	3	10	9	12	11	8	6	4	7

भाव बल ग्राफ

भावाधिपति बल

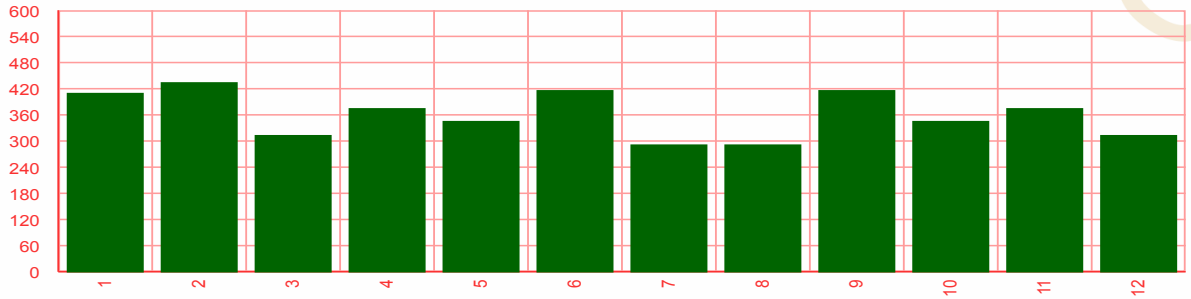

भावदिग्बल

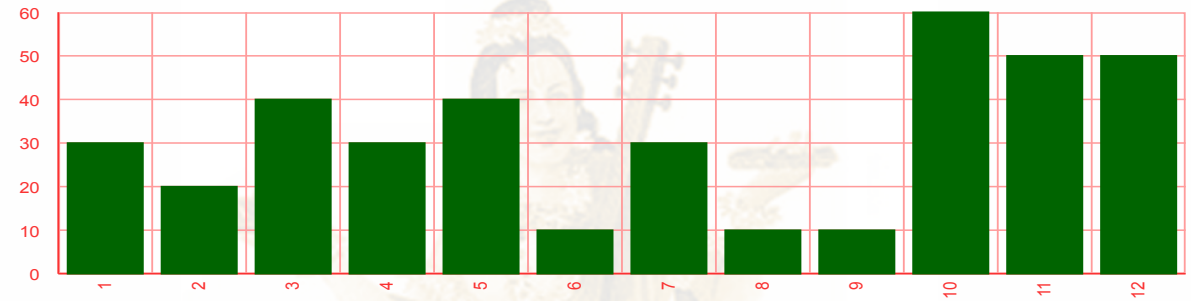

भावदृष्टि बल

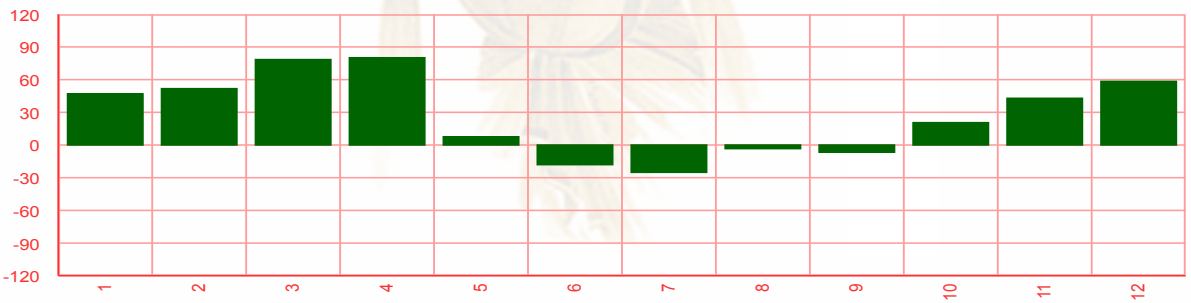

भाव बल

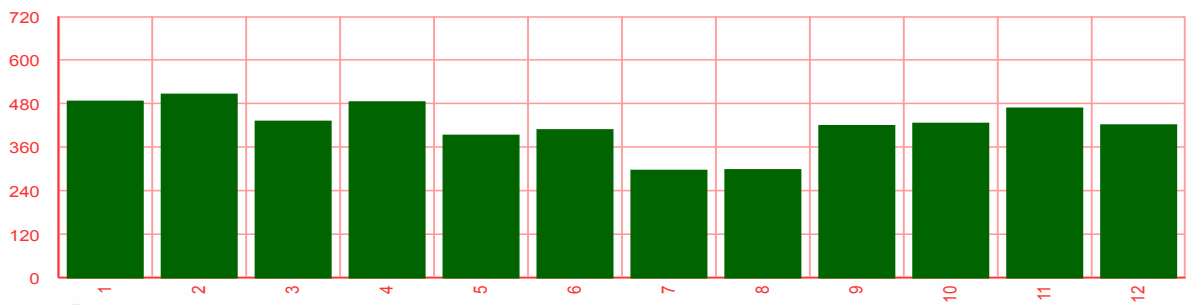

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 5 वर्ष 10 मास 0 दिन

सूर्य 6 वर्ष	
13/03/1997	
12/01/2003	
सूर्य	01/05/1997
चंद्र	30/10/1997
मंगल	07/03/1998
राहु	30/01/1999
गुरु	18/11/1999
शनि	30/10/2000
बुध	06/09/2001
केतु	12/01/2002
शुक्र	12/01/2003

चंद्र 10 वर्ष	
12/01/2003	
11/01/2013	
चंद्र	12/11/2003
मंगल	12/06/2004
राहु	12/12/2005
गुरु	13/04/2007
शनि	11/11/2008
बुध	13/04/2010
केतु	12/11/2010
शुक्र	13/07/2012
सूर्य	11/01/2013

मंगल 7 वर्ष	
11/01/2013	
12/01/2020	
मंगल	09/06/2013
राहु	28/06/2014
गुरु	04/06/2015
शनि	13/07/2016
बुध	10/07/2017
केतु	06/12/2017
शुक्र	05/02/2019
सूर्य	13/06/2019
चंद्र	12/01/2020

राहु 18 वर्ष	
12/01/2020	
12/01/2038	
राहु	24/09/2022
गुरु	17/02/2025
शनि	25/12/2027
बुध	13/07/2030
केतु	01/08/2031
शुक्र	31/07/2034
सूर्य	25/06/2035
चंद्र	24/12/2036
मंगल	12/01/2038

गुरु 16 वर्ष	
12/01/2038	
12/01/2054	
गुरु	01/03/2040
शनि	12/09/2042
बुध	18/12/2044
केतु	24/11/2045
शुक्र	25/07/2048
सूर्य	13/05/2049
चंद्र	12/09/2050
मंगल	19/08/2051
राहु	12/01/2054

शनि 19 वर्ष	
12/01/2054	
11/01/2073	
शनि	14/01/2057
बुध	24/09/2059
केतु	02/11/2060
शुक्र	03/01/2064
सूर्य	15/12/2064
चंद्र	16/07/2066
मंगल	25/08/2067
राहु	01/07/2070
गुरु	11/01/2073

बुध 17 वर्ष	
11/01/2073	
12/01/2090	
बुध	10/06/2075
केतु	06/06/2076
शुक्र	07/04/2079
सूर्य	11/02/2080
चंद्र	13/07/2081
मंगल	10/07/2082
राहु	27/01/2085
गुरु	04/05/2087
शनि	12/01/2090

केतु 7 वर्ष	
12/01/2090	
11/01/2097	
केतु	10/06/2090
शुक्र	10/08/2091
सूर्य	16/12/2091
चंद्र	16/07/2092
मंगल	12/12/2092
राहु	30/12/2093
गुरु	06/12/2094
शनि	15/01/2096
बुध	11/01/2097

शुक्र 20 वर्ष	
11/01/2097	
12/01/2117	
शुक्र	14/05/2100
सूर्य	14/05/2101
चंद्र	13/01/2103
मंगल	14/03/2104
राहु	15/03/2107
गुरु	13/11/2109
शनि	12/01/2113
बुध	13/11/2115
केतु	12/01/2117

सूर्य 6 वर्ष	
12/01/2117	
00/00/0000	
सूर्य	14/03/2117
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 5 वर्ष 10 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

राहु - राहु	
12/01/2020	
24/09/2022	
राहु	08/06/2020
गुरु	17/10/2020
शनि	23/03/2021
बुध	09/08/2021
केतु	06/10/2021
शुक्र	19/03/2022
सूर्य	08/05/2022
चंद्र	29/07/2022
मंगल	24/09/2022

राहु - गुरु	
24/09/2022	
17/02/2025	
गुरु	19/01/2023
शनि	07/06/2023
बुध	09/10/2023
केतु	29/11/2023
शुक्र	23/04/2024
सूर्य	06/06/2024
चंद्र	18/08/2024
मंगल	08/10/2024
राहु	17/02/2025

राहु - शनि	
17/02/2025	
25/12/2027	
शनि	01/08/2025
बुध	26/12/2025
केतु	25/02/2026
शुक्र	17/08/2026
सूर्य	08/10/2026
चंद्र	03/01/2027
मंगल	05/03/2027
राहु	08/08/2027
गुरु	25/12/2027

राहु - बुध	
25/12/2027	
13/07/2030	
बुध	05/05/2028
केतु	28/06/2028
शुक्र	30/11/2028
सूर्य	16/01/2029
चंद्र	03/04/2029
मंगल	28/05/2029
राहु	15/10/2029
गुरु	16/02/2030
शनि	13/07/2030

राहु - केतु	
13/07/2030	
01/08/2031	
केतु	05/08/2030
शुक्र	07/10/2030
सूर्य	27/10/2030
चंद्र	28/11/2030
मंगल	20/12/2030
राहु	15/02/2031
गुरु	08/04/2031
शनि	07/06/2031
बुध	01/08/2031

राहु - शुक्र	
01/08/2031	
31/07/2034	
शुक्र	30/01/2032
सूर्य	25/03/2032
चंद्र	24/06/2032
मंगल	27/08/2032
राहु	08/02/2033
गुरु	04/07/2033
शनि	24/12/2033
बुध	29/05/2034
केतु	31/07/2034

राहु - सूर्य	
31/07/2034	
25/06/2035	
सूर्य	17/08/2034
चंद्र	13/09/2034
मंगल	02/10/2034
राहु	21/11/2034
गुरु	04/01/2035
शनि	25/02/2035
बुध	12/04/2035
केतु	01/05/2035
शुक्र	25/06/2035

राहु - चंद्र	
25/06/2035	
24/12/2036	
चंद्र	10/08/2035
मंगल	11/09/2035
राहु	02/12/2035
गुरु	13/02/2036
शनि	10/05/2036
बुध	26/07/2036
केतु	27/08/2036
शुक्र	27/11/2036
सूर्य	24/12/2036

राहु - मंगल	
24/12/2036	
12/01/2038	
मंगल	15/01/2037
राहु	14/03/2037
गुरु	04/05/2037
शनि	04/07/2037
बुध	27/08/2037
केतु	18/09/2037
शुक्र	21/11/2037
सूर्य	11/12/2037
चंद्र	12/01/2038

गुरु - गुरु	
12/01/2038	
01/03/2040	
गुरु	25/04/2038
शनि	27/08/2038
बुध	15/12/2038
केतु	30/01/2039
शुक्र	09/06/2039
सूर्य	17/07/2039
चंद्र	20/09/2039
मंगल	05/11/2039
राहु	01/03/2040

गुरु - शनि	
01/03/2040	
12/09/2042	
शनि	25/07/2040
बुध	03/12/2040
केतु	26/01/2041
शुक्र	30/06/2041
सूर्य	15/08/2041
चंद्र	31/10/2041
मंगल	24/12/2041
राहु	12/05/2042
गुरु	12/09/2042

गुरु - बुध	
12/09/2042	
18/12/2044	
बुध	07/01/2043
केतु	25/02/2043
शुक्र	13/07/2043
सूर्य	23/08/2043
चंद्र	31/10/2043
मंगल	18/12/2043
राहु	20/04/2044
गुरु	09/08/2044
शनि	18/12/2044

गुरु - केतु	
18/12/2044	
24/11/2045	
केतु	07/01/2045
शुक्र	05/03/2045
सूर्य	22/03/2045
चंद्र	19/04/2045
मंगल	09/05/2045
राहु	29/06/2045
गुरु	14/08/2045
शनि	07/10/2045
बुध	24/11/2045

गुरु - शुक्र	
24/11/2045	
25/07/2048	
शुक्र	05/05/2046
सूर्य	23/06/2046
चंद्र	12/09/2046
मंगल	08/11/2046
राहु	03/04/2047
गुरु	11/08/2047
शनि	12/01/2048
बुध	29/05/2048
केतु	25/07/2048

गुरु - सूर्य	
25/07/2048	
13/05/2049	
सूर्य	08/08/2048
चंद्र	02/09/2048
मंगल	19/09/2048
राहु	02/11/2048
गुरु	11/12/2048
शनि	26/01/2049
बुध	08/03/2049
केतु	25/03/2049
शुक्र	13/05/2049

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

गुरु - चंद्र	
13/05/2049	
12/09/2050	
चंद्र	23/06/2049
मंगल	21/07/2049
राहु	02/10/2049
गुरु	06/12/2049
शनि	21/02/2050
बुध	01/05/2050
केतु	30/05/2050
शुक्र	19/08/2050
सूर्य	12/09/2050

गुरु - मंगल	
12/09/2050	
19/08/2051	
मंगल	02/10/2050
राहु	22/11/2050
गुरु	07/01/2051
शनि	01/03/2051
बुध	19/04/2051
केतु	09/05/2051
शुक्र	04/07/2051
सूर्य	22/07/2051
चंद्र	19/08/2051

गुरु - राहु	
19/08/2051	
12/01/2054	
राहु	28/12/2051
गुरु	23/04/2052
शनि	09/09/2052
बुध	11/01/2053
केतु	03/03/2053
शुक्र	28/07/2053
सूर्य	09/09/2053
चंद्र	21/11/2053
मंगल	12/01/2054

शनि - शनि	
12/01/2054	
14/01/2057	
शनि	05/07/2054
बुध	07/12/2054
केतु	09/02/2055
शुक्र	11/08/2055
सूर्य	05/10/2055
चंद्र	05/01/2056
मंगल	09/03/2056
राहु	21/08/2056
गुरु	14/01/2057

शनि - बुध	
14/01/2057	
24/09/2059	
बुध	03/06/2057
केतु	30/07/2057
शुक्र	10/01/2058
सूर्य	28/02/2058
चंद्र	21/05/2058
मंगल	17/07/2058
राहु	12/12/2058
गुरु	22/04/2059
शनि	24/09/2059

शनि - केतु	
24/09/2059	
02/11/2060	
केतु	18/10/2059
शुक्र	25/12/2059
सूर्य	14/01/2060
चंद्र	17/02/2060
मंगल	11/03/2060
राहु	11/05/2060
गुरु	04/07/2060
शनि	06/09/2060
बुध	02/11/2060

शनि - शुक्र	
02/11/2060	
03/01/2064	
शुक्र	14/05/2061
सूर्य	11/07/2061
चंद्र	15/10/2061
मंगल	22/12/2061
राहु	13/06/2062
गुरु	14/11/2062
शनि	17/05/2063
बुध	27/10/2063
केतु	03/01/2064

शनि - सूर्य	
03/01/2064	
15/12/2064	
सूर्य	20/01/2064
चंद्र	18/02/2064
मंगल	09/03/2064
राहु	30/04/2064
गुरु	16/06/2064
शनि	10/08/2064
बुध	28/09/2064
केतु	18/10/2064
शुक्र	15/12/2064

शनि - चंद्र	
15/12/2064	
16/07/2066	
चंद्र	01/02/2065
मंगल	07/03/2065
राहु	02/06/2065
गुरु	18/08/2065
शनि	17/11/2065
बुध	07/02/2066
केतु	13/03/2066
शुक्र	17/06/2066
सूर्य	16/07/2066

शनि - मंगल	
16/07/2066	
25/08/2067	
मंगल	09/08/2066
राहु	09/10/2066
गुरु	02/12/2066
शनि	04/02/2067
बुध	02/04/2067
केतु	26/04/2067
शुक्र	02/07/2067
सूर्य	22/07/2067
चंद्र	25/08/2067

शनि - राहु	
25/08/2067	
01/07/2070	
राहु	28/01/2068
गुरु	15/06/2068
शनि	27/11/2068
बुध	23/04/2069
केतु	23/06/2069
शुक्र	13/12/2069
सूर्य	04/02/2070
चंद्र	01/05/2070
मंगल	01/07/2070

शनि - गुरु	
01/07/2070	
11/01/2073	
गुरु	01/11/2070
शनि	28/03/2071
बुध	06/08/2071
केतु	29/09/2071
शुक्र	01/03/2072
सूर्य	16/04/2072
चंद्र	03/07/2072
मंगल	25/08/2072
राहु	11/01/2073

बुध - बुध	
11/01/2073	
10/06/2075	
बुध	16/05/2073
केतु	06/07/2073
शुक्र	30/11/2073
सूर्य	13/01/2074
चंद्र	27/03/2074
मंगल	17/05/2074
राहु	26/09/2074
गुरु	22/01/2075
शनि	10/06/2075

बुध - केतु	
10/06/2075	
06/06/2076	
केतु	01/07/2075
शुक्र	30/08/2075
सूर्य	18/09/2075
चंद्र	18/10/2075
मंगल	08/11/2075
राहु	01/01/2076
गुरु	18/02/2076
शनि	16/04/2076
बुध	06/06/2076

बुध - शुक्र	
06/06/2076	
07/04/2079	
शुक्र	26/11/2076
सूर्य	16/01/2077
चंद्र	13/04/2077
मंगल	12/06/2077
राहु	14/11/2077
गुरु	01/04/2078
शनि	12/09/2078
बुध	06/02/2079
केतु	07/04/2079